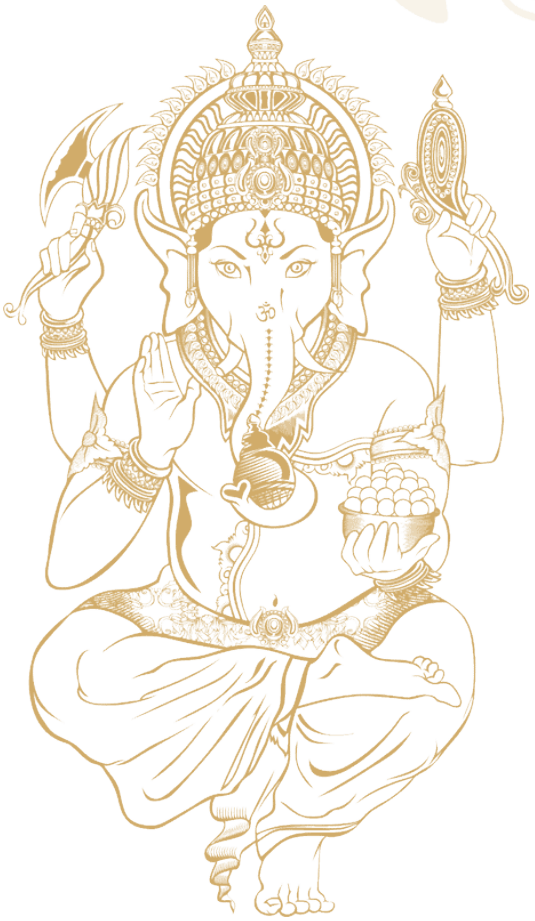

Mayank Sharma

Prerna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119721002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21-22/02/1997	जन्म तिथि	31/03/1999
शुक्र-शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 03:45:00	जन्म समय	19:56:00 घंटे
घटी 54:50:21	जन्म समय(घटी)	36:54:35 घटी
India	देश	India
Jorhat	स्थान	Delhi
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
94:12:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:46:48	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:51	सूर्योदय	06:13:22
17:09:44	सूर्यास्त	18:38:05
23:49:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:36

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 4वर्ष 10मा 19दि		02:55:27	मक	लग्न	तुला	04:23:26	चन्द्र 8वर्ष 0मा 6दि	
सूर्य		09:30:56	कुंभ	सूर्य	मीन	16:35:03	राहु	
12/01/2022		04:01:22	सिंह	चंद्र	कन्या	12:38:29	07/04/2014	
13/01/2028		10:28:59	कन्या व	मंगल व	तुला	17:17:35	07/04/2032	
सूर्य	02/05/2022	25:40:36	मक	बुध व	कुंभ	27:10:44	राहु	18/12/2016
चन्द्र	31/10/2022	13:25:23	मक	गुरु	मीन	17:04:21	गुरु	14/05/2019
मंगल	08/03/2023	29:38:04	मक	शुक्र	मेष	22:00:19	शनि	20/03/2022
राहु	31/01/2024	11:57:00	मीन	शनि	मेष	09:32:05	बुध	06/10/2024
गुरु	18/11/2024	04:59:17	कन्या व	राहु व	कर्क	27:20:03	केतु	25/10/2025
शनि	31/10/2025	04:59:17	मीन व	केतु व	मक	27:20:03	शुक्र	24/10/2028
बुध	06/09/2026	12:25:37	मक	हर्ष	मक	21:53:55	सूर्य	18/09/2029
केतु	12/01/2027	04:54:45	मक	नेप	मक	10:09:56	चन्द्र	20/03/2031
शुक्र	13/01/2028	11:43:21	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:33:56	मंगल	07/04/2032

लग्न-चलित

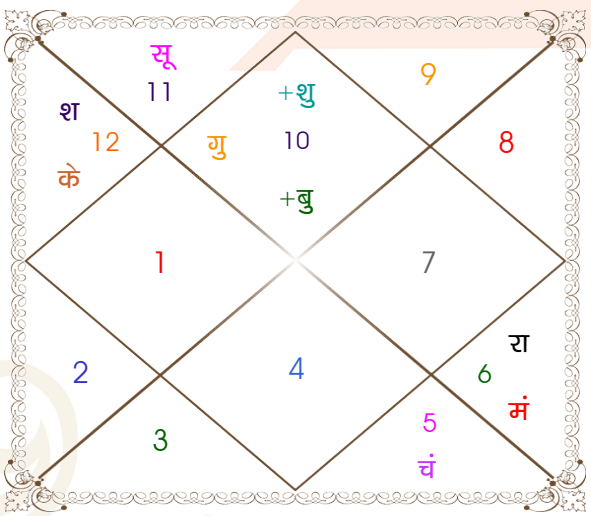

लग्न-चलित

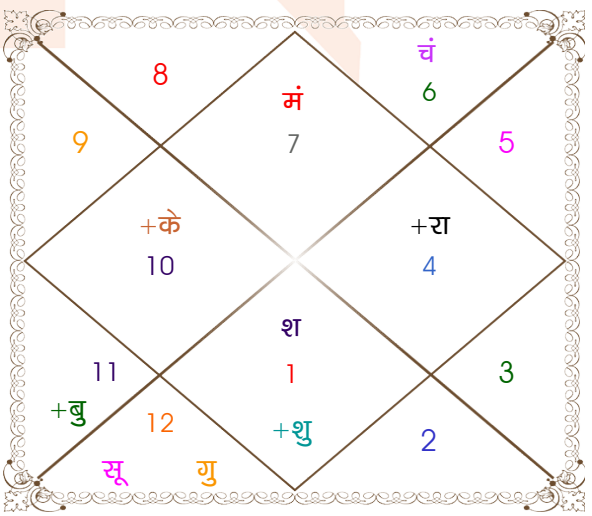

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डंलंदाौंतउं का वर्ग मूषक है तथा च्तमतदं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डंलंदाौंतउं और च्तमतदं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डंलंदाौंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

च्तमतदं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डंलंदाौंतउं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डंलंदाौंतउं तथा च्तमतदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।